देहरादून । बुधवार • 14 अक्टूबर • 2009

दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं दे रही सात्विक संस्था

खौड़ गांव में दांतों का परीक्षण करते चिकित्सक। फोटो : एसएनबी

गुप्तकाशी (एसएनबी)। सूबे के अंतिम गांव को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए मुम्बई की संस्था सात्विक फाउंडेशन द्वारा गुप्तकाशी के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित ग्रामीणों के इलाज के लिए जगह-जगह निशुल्क मेडिकल कैंप लगाये जा रहे हैं। पिछले पन्द्रह सालों से क्षेत्र में प्रतिवर्ष यात्राकाल के दौरान दूरस्थ इलाकों के मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए संस्था द्वारा कोशिशें की जा रही हैं।

सराहनीय

दर्जनों गांवों में लगाए शिविर

समिति से जुड़े डा. विलास अठोले का कहना है कि देवभूमि उत्तराखंड के दूरस्थ इलाकों का जनजीवन कष्टप्रद है और अस्पताल तथा मूलभूत सुविधाएं न होने के कारण मरीजों को काफी कष्ट उठाने पड़ रहे हैं। कालीमठ घाटी, मद्महेश्वर घाटी तथा केदार घाटी के दूरस्थ गांवों में अस्पताल तथा विशेषज्ञ चिकित्सक न होने के कारण आर्थिक स्थिति से विपन्न ग्रामीणों को निजी अस्पतालों की ओर रूख करना पड़ रहा है। जिसके कारण महंगाई के इस दौर में उनका जीना मुहाल हो गया है।

संस्था ने बसुकेदार क्षेत्र में भुनाल गांव, खौड़ बांगर, घंघासू, बकसीर, मत्थ्या गांव, फैगू सहित दर्जनभर गांवों में मेडिकल कैंप लगाकर मरीजों को दवाइयां वितरित की हैं। समिति में दंत रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ आदि चिकित्सकों द्वारा मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। चिकित्सकीय दल में डॉ महेश कुलकर्णी, डॉ विद्याधर, डॉ अमित मराठे, डॉ श्रीमती विशाखा कुलकर्णी, डॉ विजय लुमई, रुस्तम मेहता आदि शामिल हैं।